माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में तू चुप कोना बैसल छ गे

माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे,
हे कोना बैसल छ गे,
माँ तू कोना बैसल छ गे।bd।

दर दर स भटकल माँ गे,
शरण मे तोड़े आयल छी,
दृग मुइन बैसल छ गे,
तू दृग मुइन बैसल छ गे,
मां गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

आँख के लोर है जननी,
तोड़ा छोड़ दोसर के पोछतै,
बीच भँवर फसल छी गे से,
बीच भँवर फसल छी गे,
मां गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

जनम मरण स मुक्ति,
वर तू माँ हमरा द दे,
दर्शन ल बेकल छी गे,
हम दर्शन ल बेकल छी गे,
मां गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे,
हे कोना बैसल छ गे,
माँ तू कोना बैसल छ गे।bd।

गायक – रामविलाश यादव।

Upload – Manish Kumar Thakur
8340447139
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com